०१

प्लेबुक

एक्सिस बैंक फाउंडेशन समर्थित ग्रामीण
आजीविका परियोजनाओं के सर्वोत्तम अभ्यास

ग्रामीण आजीविका

जल प्रभंधन

समुदाय-नेतृत्व जल प्रभंधन

भाग 1- अपने गांव को समझना

प्लेबुक किस आवश्यकता की बात करती है?

देश का बड़ा हिस्सा गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है, जिसका मुख्य कारण भूजल और सतही जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन है। पानी की कम उपलब्धता से जल संसाधनों का असमान वितरण, शुष्क महीनों के दौरान फसल की कम पैदावार और मिट्टी की लवणता और शुष्कता की समस्याएँ होती हैं। इस मुद्दे के समाधान के लिए सामुदायिक भागीदारी और व्यवहार परिवर्तन की आवश्यकता है।

कृषि जल उपयोग के लिए टॉप-डाउन योजनाएं डिजाइन करने के बजाय, **डी.एस.सी** जल संसाधनों की सामुदायिक योजना पर जोर देता है. क्षेत्र मूल्यांकन का डिज़ाइन, सामुदायिक गतिशीलता, ग्राम-स्तरीय जल बजट, जल पुनर्भरण संरचनाएं, निगरानी और जल सुरक्षा योजना के लिए भागीदारी दृष्टिकोण इसका सबसे अच्छा उदाहरण है।

इस प्लेबुक का उपयोग कौन कर सकता है?

व्यवसायी, प्रशिक्षक, सामुदायिक संसाधन व्यक्ति, प्रगतिशील किसान, विषय विशेषज्ञ, स्थानीय शासन प्रतिनिधि।

यह प्लेबुक डेवलपमेंट सपोर्ट सेंटर (डी.एस.सी) की विशेषज्ञता का उपयोग करके डिज़ाइन की गई है, जो गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में भागीदारी जल प्रबंधन और पानी के विवेकपूर्ण उपयोग पर काम करता है।

डी.एस.सी द्वारा इन समाधानों को संस्थापक अध्यक्ष - अनिल शाह, कार्यकारी निदेशक - मोहन शर्मा और पूर्व कार्यकारी - निदेशक सचिन ओझा के नेतृत्व में डिजाइन और अग्रणी बनाया गया है.। डी.एस.सी के 30 वर्षों के गठन में इन सहभागी तकनीकी और सामाजिक प्रक्रियाओं ने समुदाय को सशक्त बनाया है.। इससे समुदाय द्वारा समर्थित और पोषित जल सुरक्षा को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण का विकास हुआ है।

आज हम अपने गांव में पानी की स्थिति के बारे में बात करने के लिए एकत्र हुए हैं। देखते हैं पानी कितना गहरा है।

क्या आप में से किसी ने देखा कि पानी खारा होने के कारण मिट्टी शुष्क हो रही है?

आपमें से कितने लोगों की इस शुष्क मौसम में फसल की पैदावार कम हुई?

क्या आपमें से कुछ लोगों को लगा कि आपको अपने पड़ोसी क्षेत्रों की तुलना में कम पानी मिला है ?

यदि हम अपने जल का उचित प्रबंधन करें तो हम अनियमित जल आपूर्ति और गुणवत्ता की इन समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।

इस पुस्तक में आप सीखेंगे

- अपने गांव की पानी की जरूरतों और संसाधनों को समझना
- जल प्रबंधन में शामिल होना
- जल बजट तैयार करना
- जल सुरक्षा के लिए योजना करना
- रिचार्ज शाफ्ट बनाकर भूजल की पूर्ति करना
- जल संसाधनों की निगरानी करना
- सिंचाई का सहयोगपूर्वक प्रबंधन करना

* यह प्लेबुक समुदाय-नेतृत्व वाले जल प्रबंधन पर **7-भाग** वाली प्लेबुक श्रृंखला का **भाग 1** है। पूरा सेट यहाँ पाएँ: लिंक

1.

अपने गांव को समझना

हम गाँव में उपलब्ध जल संसाधनों को समझने, अपने गाँव में पानी की गुणवत्ता और पहुंच जैसे मुद्दों के सामूहिक मूल्यांकन से शुरुआत करते हैं

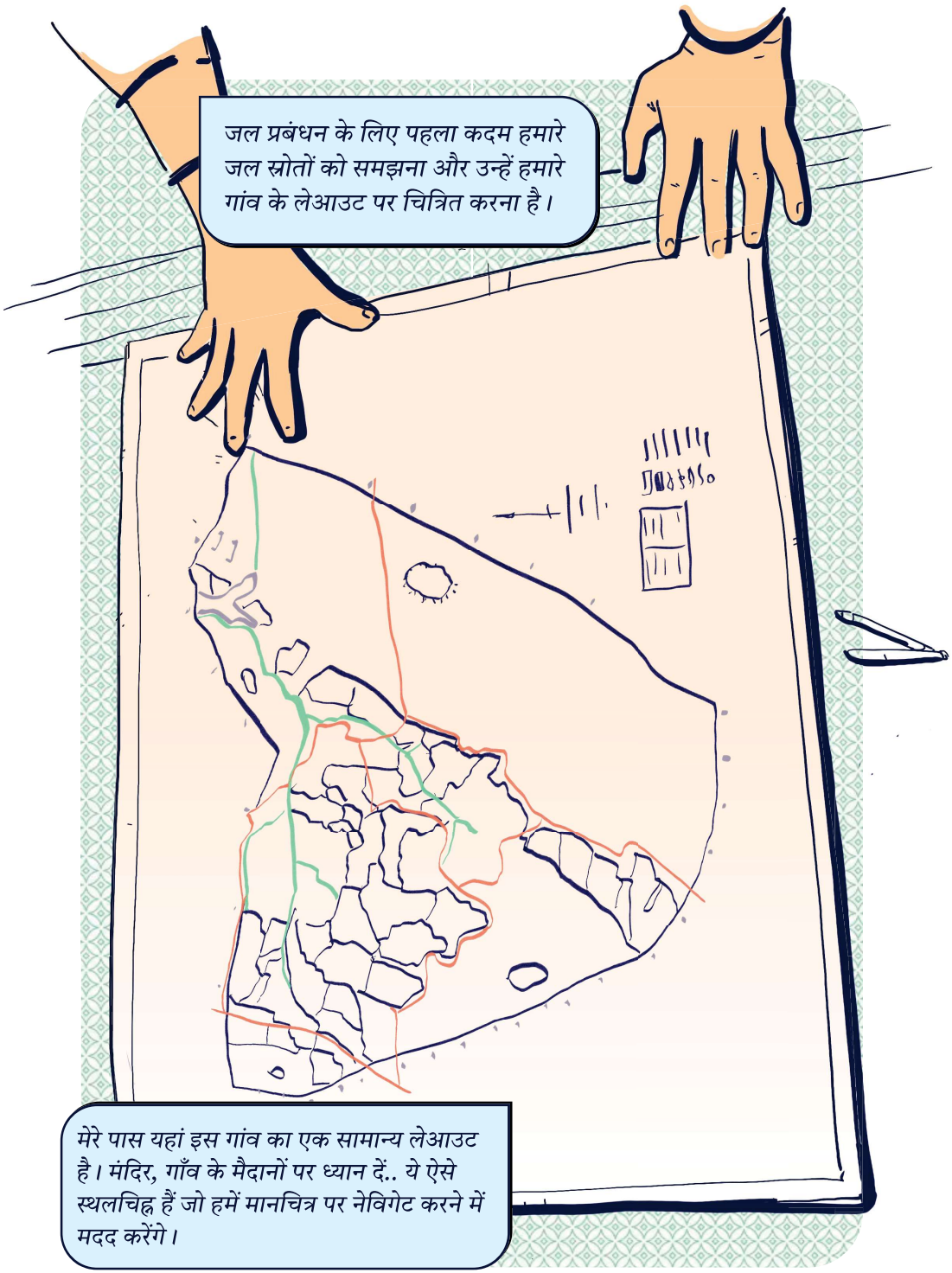
जल प्रबंधन के लिए पहला कदम हमारे जल स्रोतों को समझना और उन्हें हमारे गांव के लेआउट पर चित्रित करना है।
मेरे पास यहां इस गांव का एक सामान्य लेआउट है। मंदिर, गाँव के मैदानों पर ध्यान दें.. ये ऐसे स्थलचिह्न हैं जो हमें मानचित्र पर नेविगेट करने में मदद करेंगे।

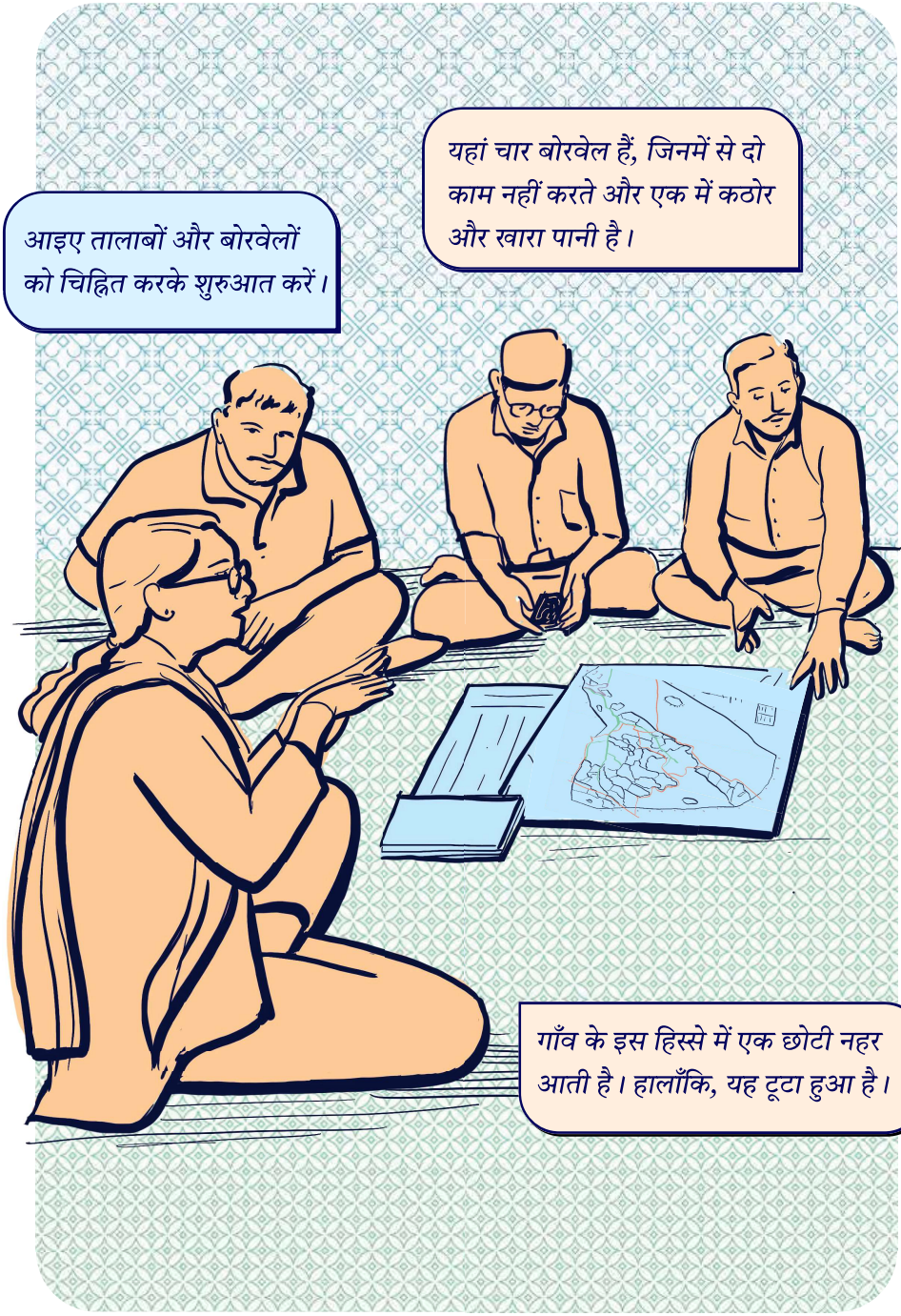

आइए तालाबों और बोरवेलों को चिह्नित करके शुरुआत करें।
यहां चार बोरवेल हैं, जिनमें से दो काम नहीं करते और एक में कठोर और खारा पानी है।
गाँव के इस हिस्से में एक छोटी नहर आती है। हालाँकि, यह टूटा हुआ है।

गाँव की सैर पर...

यहाँ से भूमि का ढलान नीचे की ओर है। जब बारिश होती है तो पानी बहकर इसी स्थान पर जमा हो जाता है।
इस ज़मीन पर वे पिछले दो खेती के मौसम से कपास और गेहूं उगाते हैं। इसके आगे किसान गेंदा और मूंगफली उगाते हैं।

आप अपने गाँव को सबसे अच्छे से जानते हैं। तो आप यहां पानी के मुद्दों का प्रबंधन करने के लिए सबसे सही लोग हैं। वैज्ञानिक तरीकों पर कुछ प्रशिक्षण के साथ, आप अपने गाँव में पानी से संबंधित मुद्दों की जिम्मेदारी लेने में सक्षम होंगे।

एक बाहरी व्यक्ति के रूप में ग्रामीणों के साथ संबंध कैसे बनाएं?

- गांव की पहली कुछ यात्राएं बहुत ही मैत्रीपूर्ण होने चाहिए और केवल परिचयात्मक होने चाहिए। यह ग्रामीणों को हमसे और हमारा संगठन क्या करता है उससे परिचित कराने के बारे में है।
- बातचीत सामान्य चर्चा होनी चाहिए। केवल जब वे नहर प्रणाली या सिंचाई स्रोतों से संबंधित मुद्दों का उल्लेख करते हैं, तभी हम आगे की कार्रवाई कर सकते हैं और अधिक विवरण मांग सकते हैं। यह प्रश्न-उत्तर वाली पूछताछ शैली नहीं होनी चाहिए ।
- बातचीत के दौरान गांव के भीतर लोगों के बीच शक्ति संबंध को समझने का प्रयास करें। सभी समुदायों के लोगों से बात करने का प्रयास करें।
- ग्रामीणों से एक सेल्समैन के बजाय एक मित्र और साथी के रूप में संपर्क करें। उन पर कोई भी विचार थोपने से बचें।

सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन गतिविधियों का संचालन कैसे करें?

- सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (पी.आर.ए - पार्टिसिपेटरी रूरल अप्रैज़ल) गतिविधियों के संचालन की तारीख और समय ग्रामीणों के लिए सुविधाजनक होना चाहिए। पिछली बातचीत के दौरान, हम 3-4 लोगों की पहचान कर सकते हैं जो सक्रिय, उत्सुक हैं और कुछ नेतृत्व गुण दिखाते हैं।उन्हें इसे बढ़ावा देने की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।
- बैठक स्थल पर लगभग 30 लोगों की क्षमता होनी चाहिए। यह बाहर हो सकता है, लेकिन इतना खुला नहीं होना चाहिए कि यह भीड़ और दर्शकों को आकर्षित कर ले।
- पी.आर.ए प्रथाओं की एक टोकरी है। औसतन, एक गतिविधि में 2-3 घंटे लगेंगे।

पी. आर. ए. बैठकों के लिए किसे आमंत्रित किया जाना चाहिए?

- गांव के सभी समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करें। इसे आमंत्रित करने के लिए प्रत्येक सामाजिक समूह से एक प्रमुख व्यक्ति का चयन करके किया जा सकता है, जो भाग लेने के लिए अपने दोस्तों और सहयोगियों को बुला सकता ह। इससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी लोग संगठित हों तथा सभी समूहों का प्रतिनिधित्व हो।
- सुनिश्चित करें कि अनुभवी प्रगतिशील किसान और गाँव के बुजुर्ग, पुरुष और महिला सभी, इस प्रक्रिया में शामिल हों।
- केन्द्रीय समूह चर्चा और मानचित्र अभ्यास जैसी पी.आर.ए गतिविधियों का संचालन करने के लिए कम से कम 15-20 लोगों की आवश्यकता होती है। लेकिन इस समूह को गांव के हर समुदाय का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। अलग-अलग अभ्यासों के लिए अलग-अलग समूह के लोग शामिल होते हैं।

संसाधन व्यक्ति

मनु वड्डेर
राज्य समन्वयक (गुजरात), क्षेत्रीय इंटीग्रेटर
८२००१४७५९६

सामाजिक प्रक्रियाओं के विशेषज्ञ

राजेंद्र पटेल
कार्यक्रम कार्यकारी

मनु वड्डेर
क्षेत्रीय एकीकरणकर्ता

गोरधन कांतारिया
राज्य प्रशिक्षण समन्वयक

Documentation Partner

WELL LABS
WATER · ENVIRONMENT · LAND · LIVELIHOODS

Knowledge Partner

dsc
Development Support Centre

Supported by

AXIS BANK FOUNDATION

नवंबर २०२५